SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Boring Machine Operator

बोरिंग मशीन ऑपरेटर धातु के वर्कपीस में सटीक छेद बनाने या पहले से बने छेद को नाप के अनुसार बड़ा (बोर) करने का काम करता है। वह इंजीनियरिंग ड्रॉइंग पढ़कर सही कटिंग टूल व कटर चुनता है, वर्कपीस को मशीन पर सेट करता है, बोरिंग मशीन...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/voc-6276

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

🙏 विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

बोरिंग मशीन ऑपरेटर धातु के वर्कपीस में सटीक छेद बनाने या पहले से बने छेद को नाप के अनुसार बड़ा (बोर) करने का काम करता है। वह इंजीनियरिंग ड्रॉइंग पढ़कर सही कटिंग टूल व कटर चुनता है, वर्कपीस को मशीन पर सेट करता है, बोरिंग मशीन चलाकर छेद बनाता है और वर्नियर, माइक्रोमीटर व बोर गेज जैसे यंत्रों से नाप की जाँच करता है। यह मशीन टूल्स, ऑटोमोबाइल पुर्ज़ों, पंप, वाल्व और भारी इंजीनियरिंग उद्योग में एक कुशल और भरोसे वाला काम है, जहाँ माइक्रोन-स्तर की सटीकता ज़रूरी होती है। कक्षा 10 के बाद आईटीआई (मशीनिस्ट/टर्नर) या एनएसक्यूएफ कौशल कोर्स से इस क्षेत्र में प्रवेश किया जा सकता है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	10वीं पास + 18 वर्ष (एनएसक्यूएफ लेवल 2)
कोर्स अवधि	6 माह–2 वर्ष (कोर्स/आईटीआई ट्रेड के अनुसार)
आरंभिक वेतन	₹12,000–16,000/माह
कार्य-शैली	वर्कशॉप/फैक्ट्री में पूर्णकालिक (शिफ्ट व ओवरटाइम)

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- मशीनों और औज़ारों के साथ हाथ से काम करना पसंद
- समस्याओं को सुलझाना और तकनीकी चुनौतियाँ हल करना पसंद
- बारीकी और सटीक माप-नाप में रुचि

क्षमताएँ

- शारीरिक रूप से स्वस्थ और लगातार खड़े होकर काम करने की क्षमता
- टीम में सहज व अच्छा संवाद, सुरक्षा नियमों का पालन
- एकाग्रता और बारीकी पर ध्यान (माइक्रोन-स्तर की सटीकता)

ज़रूरी कौशल

- बोरिंग मशीन को सेट कर छेद बनाना व नाप के अनुसार बोर करना
- वर्नियर कैलिपर, माइक्रोमीटर व बोर गेज से सटीक माप
- इंजीनियरिंग ड्रॉइंग व ब्लूप्रिंट पढ़ना
- सही कटिंग टूल, कटर व स्पीड-फीड का चयन

- धातु के वर्कपीस व कच्चे माल की जाँच और तैयारी
- मशीन की देखभाल, स्वास्थ्य-सुरक्षा-पर्यावरण (एचएसई) नियमों का पालन
- बुनियादी गणित व वर्कशॉप गणना

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 10 पूरी करें और 18 वर्ष की आयु प्राप्त करें।
2. आईटीआई में मशीनिस्ट या टर्नर ट्रेड, या बोरिंग/मशीन ऑपरेटर के लिए एनएसक्यूएफ लेवल 2 कौशल कोर्स में नामांकन करें।
3. वर्नियर, माइक्रोमीटर, ड्रॉइंग पढ़ना और बुनियादी मशीनिंग का अभ्यास करें।
4. किसी वर्कशॉप, टूल रूम या फैक्ट्री में अप्रेंटिसशिप/हेल्पर के रूप में व्यावहारिक अनुभव लें।
5. अनुभव के साथ ऑपरेटर से सीनियर मशीनिस्ट और शॉप सुपरवाइज़र तक बढ़ें।
6. राजस्थान में सरकारी आईटीआई, आरएसएलडीसी व पीएमकेवीवाई केंद्रों से प्रशिक्षण व प्लेसमेंट सहायता ली जा सकती है।

प्रमुख परीक्षाएँ

- आईटीआई मशीनिस्ट/टर्नर ट्रेड की एनसीवीटी/एनआईएमआई अखिल भारतीय ट्रेड परीक्षा (एआईटीटी)
- कैपिटल गुड्स एवं स्ट्रैटेजिक स्किल काउंसिल (सीजीएससी)/एनएसडीसी ट्रेड मूल्यांकन व प्रमाणन

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- राजकीय आईटीआई (मशीनिस्ट/टर्नर ट्रेड), राजस्थान — जयपुर, जोधपुर, कोटा व अन्य जिले (https://dte.rajasthan.gov.in/)
- राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (RSLDC) — जयपुर, राजस्थान (https://livelihoods.rajasthan.gov.in/rsldc/)
- एनसीवीटी एमआईएस – आईटीआई खोजें — राजस्थान भर के केंद्र (https://www.ncvtmis.gov.in/)
- एनआईओएस व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र — ऑनलाइन/निकटतम केंद्र खोजें (https://voc.nios.ac.in/registration/locate-study-centre)

निजी संस्थान

- भारतीय स्किल डेवलपमेंट यूनिवर्सिटी (BSDU) — जयपुर, राजस्थान (https://www.bsdu.in/)
- कैपिटल गुड्स एवं स्ट्रैटेजिक स्किल काउंसिल (CGSSC) — अखिल भारतीय / नई दिल्ली (https://cgssc.org/)

ऑनलाइन

- स्किल इंडिया डिजिटल हब — ऑनलाइन (https://www.skillindiadigital.gov.in/)
- भारत स्किल्स (डीजीटी) – मशीनिस्ट अध्ययन सामग्री — ऑनलाइन (https://bharatskills.gov.in/)

फ़ीस

सरकारी आईटीआई व अधिकांश सरकारी कौशल योजनाओं (एनएसडीसी, आरएसएलडीसी, पीएमकेवीवाई) में यह कोर्स मुफ़्त या बहुत कम शुल्क पर उपलब्ध है। निजी आईटीआई/मशीनिंग कोर्स की फीस लगभग ₹10,000–40,000 प्रति वर्ष तक हो सकती है।

छात्रवृत्तियाँ

- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study – ITI/Vocational Scholarships (https://www.buddy4study.com/article/iti-scholarships)
- SJE Rajasthan – सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग छात्रवृत्ति (https://sje.rajasthan.gov.in/)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

मशीन टूल्स व माल निर्माण कंपनियां, टूल रूम, ऑटोमोबाइल व ऑटो-कंपोनेंट फैक्ट्रियां, पंप-वाल्व व भारी इंजीनियरिंग वर्कशॉप, तथा मशीन टूल्स के वितरक व सेवा प्रदाता।

कार्य-संस्कृति

आम तौर पर सप्ताह में 6 दिन, रोज़ 8–9 घंटे काम होता है; शिफ्ट ड्यूटी और ओवरटाइम आम है। काम शॉप-फ्लोर पर खड़े होकर मशीन के साथ होता है, जहाँ सुरक्षा जूते, चश्मा व नियमों का पालन ज़रूरी है।

कौन नौकरी देता है

- मशीन टूल्स व कैपिटल गुड्स निर्माता (जैसे एचएमटी, जियोती सीएनसी, लक्ष्मी मशीन वर्क्स)
- टूल रूम, डाई-मोल्ड शॉप व सटीक इंजीनियरिंग वर्कशॉप
- रक्षा व सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (जैसे बीएचईएल, एचएएल, बीईएमएल)
- ऑटोमोबाइल व ऑटो-कंपोनेंट कंपनियां (जैसे भारत फोर्ज, बॉश, सोना कॉमस्टार)
- पंप, वाल्व, कम्प्रेसर व भारी इंजीनियरिंग निर्माता
- राजस्थान के बीकानेर, भिवाड़ी, नीमराना व जयपुर औद्योगिक क्षेत्रों की फैक्ट्रियां

माँग (2026)

भारत में 'मेक इन इंडिया' और ऑटोमोबाइल, रक्षा, रेलवे व कैपिटल गुड्स उद्योग के विस्तार से सटीक मशीनिंग करने वाले कुशल ऑपरेटरों की माँग लगातार बनी हुई है। बोरिंग, टर्निंग और मिलिंग जैसे काम मशीनों से पूरी तरह नहीं हटते, इसलिए प्रशिक्षित मशीन ऑपरेटरों की हमेशा ज़रूरत रहती है। राजस्थान के भिवाड़ी-नीमराना जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में भी अवसर बढ़ रहे हैं।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. बोरिंग/मशीन ऑपरेटर (ट्रेनी)
2. सीनियर मशीनिस्ट / मशीन ऑपरेटर
3. शॉप सुपरवाइज़र / फोरमैन
4. प्रोडक्शन/वर्कशॉप मैनेजर

कमाई

शुरुआत	₹12,000–16,000/माह
मध्य स्तर	₹20,000–30,000/माह
वरिष्ठ स्तर	₹35,000–55,000+/माह

इनडीड (2026) के अनुसार भारत में मशीनिस्ट की औसत आय लगभग ₹25,892/माह है। शुरुआती स्तर पर आय कम रहती है, पर सटीक बोरिंग/मशीनिंग में अनुभव, ओवरटाइम व सीएनसी कौशल के साथ आय काफ़ी बढ़ती है; सीनियर मशीनिस्ट व सुपरवाइज़र और भी अधिक कमाते हैं। (आंकड़े सांकेतिक हैं और स्थान व कंपनी अनुसार बदल सकते हैं।)

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- कुशल, हाथ से किया जाने वाला काम जिसकी उद्योग में स्थिर माँग है
- अनुभव व सीएनसी कौशल से आय और पद दोनों में तेज़ी से तरक्की
- आईटीआई/कौशल कोर्स के बाद अप्रेंटिसशिप व सरकारी-निजी दोनों में अवसर

चुनौतियाँ

- शॉप-फ्लोर पर शोर, धातु की धूल व लगातार खड़े रहने का माहौल
- घूमते औज़ारों के कारण चोट का जोखिम—सुरक्षा नियम ज़रूरी
- शुरुआती वेतन सीमित; शिफ्ट व ओवरटाइम आम

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Ganesan R.
सीएनसी मिलिंग प्रतियोगी, वर्ल्डस्किल्स कज़ान 2019 (भारत)

कर्नाटक के एक किसान परिवार से आने वाले गणेशन आर. ने नेटूर टेक्निकल ट्रेनिंग फाउंडेशन (एनटीटीएफ) से टूल एंड डाई मेकिंग में डिप्लोमा किया और सटीक मशीनिंग में इतनी दक्षता हासिल की कि वर्ष 2019 में रूस के कज़ान में हुई 45वीं वर्ल्डस्किल्स प्रतियोगिता में उन्हें सीएनसी मिलिंग ट्रेड में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया। मिलिंग हो या बोरिंग—दोनों में धातु के वर्कपीस पर माइक्रोन-स्तर की सटीकता ज़रूरी होती है। उनकी कहानी बताती है कि साधारण शुरुआत से भी, कौशल और अभ्यास के दम पर एक मशीन ऑपरेटर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहचान बना सकता है।

WorldSkills India · https://worldskillsindia.co.in/kazan2019.php

Monica Rajendra Goswami
शॉप-फ्लोर टीम लीडर, टाटा मोटर्स (पिंपरी-चिंचवड़, पुणे)

23 वर्षीय मोनिका राजेंद्र गोस्वामी ने टाटा मोटर्स की उस विनिर्माण इकाई में असेंबली-लाइन ऑपरेटर के रूप में शुरुआत की जहाँ काम को हमेशा 'पुरुषों का' माना जाता रहा। शून्य से सीखते हुए उन्होंने ब्रेक सिस्टम असेंबल करना सीखा और आगे बढ़कर ऑटो-कंपोनेंट के रिजेक्शन व सैल्वेज (पुर्ज़ों को बचाने) की प्रक्रिया संभालने वाली टीम की लीडर बनीं—जिससे कंपनी की बड़ी लागत बचती है। यह भूमिका बोरिंग-मशीन की सटीक निशे से थोड़ी अलग (ऑटो-विनिर्माण शॉप-फ्लोर) है, पर उनकी यात्रा हर उस लड़की के लिए प्रेरणा है जो मशीन ऑपरेटर या मशीनिस्ट के रूप में उद्योग में आगे बढ़ना चाहती है।

Tata Group Newsroom · https://www.tata.com/newsroom/careers/all-women-car-assembly-line-tata-motors

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस – ऑपरेटर बोरिंग मशीन — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%91%e0%a4%aa%e0%a4%b0%e0%a5%87%e0%a4%9f%e0%a4%b0-%e0%a4%ac%e0%a5%8b%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%82%e0%a4%97-%e0%a4%ae%e0%a4%b6%e0%a5%80%e0%a4%a8/

2. इनडीड – मशीनिस्ट सैलरी इन इंडिया (2026) — https://in.indeed.com/career/machinist/salaries

3. आईटीआई मशीनिस्ट ट्रेड सिलेबस (एनसीवीटी/डीजीटी) — https://syllabus.iti.directory/cts/machinist

4. कैपिटल गुड्स स्किल काउंसिल – क्वालिफिकेशन पैक — https://www.cgsc.in/qualification_pack.html

5. वर्ल्डस्किल्स इंडिया – प्रतियोगी (कज़ान 2019) — https://worldskillsindia.co.in/kazan2019.php

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in